

HOD Message & brief introduction.



Prof. Dr. Manish Saraswat is Academic Chairperson and Head Industry in campus (IIC) in Lloyd Institute of Engineering and Technology, Greater Noida, U.P, India. He was earlier offered a post as ASSISTANT DIRECTOR, Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises, Government of India, under the TECHNOLOGY DEVELOPMENT CENTRE DIVISION. Dr. Manish Saraswat is graduated from GLA Institute of Technology and Management, Mathura and Post Graduated from IIT Delhi. He holds a Ph.D. degree in Mechanical and Automation Engineering from IGDTUW, Delhi. Dr. Manish Saraswat has got a teaching/research experience of more than fourteen years to his credit. His areas of research

interest center around the development of alternative fueled low emission engines/vehicles. He has supervised more than half-century graduates in the field of Science and Technology. He has published more than two dozen research papers in various SCI and other international/national journals. He also bags a plethora of Patents publication to his credit. During his career, he had several important assignments and interactions. Dr. Manish Saraswat has been the Principal investigator of several sponsored projects funded by AKTU.

Industrial Experience and Responsibilities have undertaken: Product Design Engineer in Motherson.

LLOYD SKILLS CENTRE: The demand for trained labour in India was expanding across industries, necessitating the introduction of a world-class skill development programme in mission mode to face the challenge of teaching the skills necessary by a growing economy.

Lloyd Skills Centre (LSC) is one of the initiatives by Lloyd Group of Institutions which operates in collaboration with eminent industry partners to offer skill based training and services to Industry and Academia. Lloyd is keen and committed to engage various Industries and skill development sectors to enhance the employment opportunities for the technocrats and youth in the emerging areas.

LSC was set up to narrow the existing gap between the demand and supply of skills. It aims to promote skill development by catalyzing creation of large, quality and for-profit vocational institutions.

Further, the organization provides funding to build scalable and profitable vocational training initiatives.

LSC acts as a catalyst in skill development by providing funding to enterprises, companies and organizations that provide skill training. It also develops appropriate models to enhance, support and coordinate private sector initiatives. The differentiated focus on three sectors under LSC

purview and its understanding of their viability will make every sector attractive to private investment.

Lloyd Skills Centre (LSC) is one of the initiatives by Lloyd Group of Institutions which operates in collaboration with eminent industry partners to offer skill based training and services to Industry and Academia. Lloyd is keen and committed to engage various Industries and skill development sectors to enhance the employment opportunities for the technocrats and youth in the emerging areas.

The students in these established centers are guided by the eminent experts from Industries which continuously works to provide the technical solutions for the nearby rural and suburban areas problems and contributes towards the society through their ideas and innovations.

Some of the problem areas where the students are working are as follows:

- Drone technology for Agriculture.
- Development of Low Cost E-Vehicles for rural areas.
- Fabrication and Testing of Li-Ion Battery Packs for different utilities.
- Providing skill based training to the youth.

Further. The LSC also undertakes industry problems and provides possible and optimal solutions by engaging students and faculty members. Through these activities, some IPRs are generated by the students and Faculty member's involved. To highlight few areas, where the LSC are as:

1. Undertake research activities related to UAVs
2. Provide solutions for industry problems
3. Conduct UAV related training program
4. Act as service center's for Drones
5. Play an Advisory role for various stakeholders.

Activities conducted by LSC for the benefit of Society:

Conducted more than 10 training sessions for nearby farmers.

Developed low cost Agri-Drone for the society.

Developed a trained workforce of more than 50 technical students.

Conducted Hand-on Training in the area of Service, repair and maintenance of Crashed drones.

GIS mapping Training was conducted for students and Farmers of FPO Punjab and Madhya Pradesh and other states.

Drone data Processing Training on Software for the analysis of Data captured by Drones.

Fabrication of E-Vehicles.

Fabrication of Li-ion Batteries.

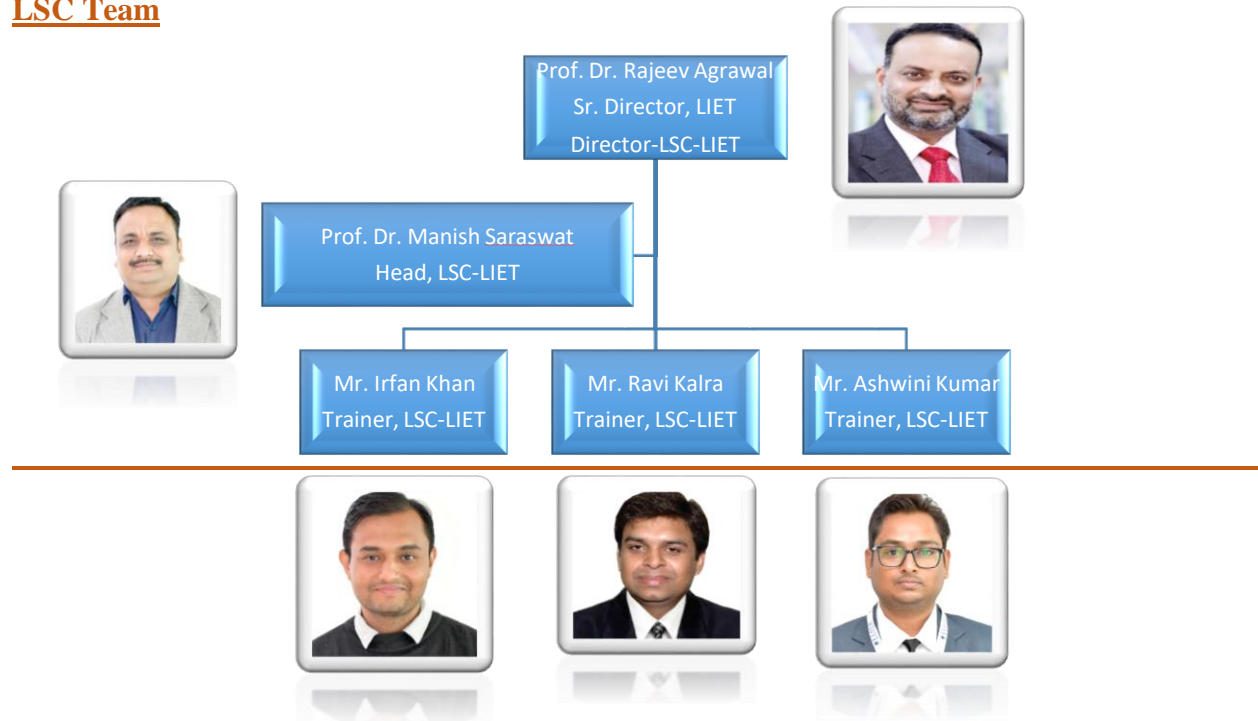
MOUs with Organizations of Repute

Garuda Aerospace Pvt. Ltd: LSC Is an authorized Service Centre for five states.

IG Drones: LSC has a simulation workbench of IG Drones.

Lohum Cleantech: LSC possesses an extension of the testing division of Lohum Cleantech Pvt. Ltd..

LSC Team



Glimpses



Date: 18/11/2022, Page No: 04

विद्यार्थियों के बनाए कृषि उपयोगी ड्रोन का किया प्रदर्शन

माई सिटी रिपोर्टर

[illegible]

लॉयड कॉलेज में प्रदर्शित किया गया कृषि उपयोगी ड्रोन। संवाद

इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रोफेसर डॉ. राजीव अग्रवाल और प्रोफेसर मनीष स्वरस्यत के निर्देशन में विद्यार्थियों ने कृषि उपयोगी ड्रोन तकनीक पर कार्य किया। टीम ने कृषि उपयोगी ड्रोन का

10 लीटर कृषि रसायन
सॉल्यूशन लेकर छिड़काव करने
में सक्षम है ड्रोन

सचिव अनुराग यादव ने मशीन के प्रमाणीकरण तथा रेगुलेटरी मैकेनिज्म को संदर्भित करने का सुझाव दिया।

टीम कृषि उपयोगी ड्रोन की कीमत का करने के लिए प्रयासरत है। जिससे ज़्यादा किसानों को लाभ दिलाया जा सके। आगामी समय में पश्चिमी यूपी के किसानों के साथ जमीनी स्तर पर ड्रोन का उपयोग आरंभ करने की योजना है।

प्रदर्शन किया। बताया गया ड्रोन 10 लीटर कृषि रसायन सांत्व्युशन को लेकर छिड़काव करने में सक्षम है। ड्रोन एक ठंडा में 12 मिनट तक निर्यात छिड़काव कर सकता है इसकी लागत करीब 3 लाख रुपये है। कृषि

यूपी सरकार द्वारा किसानों की आय वृद्धि के लिए आयोजित कार्यशाला में लॉयड ने कृषि उपयोगी ड्रोन का प्रदर्शन किया

झाफ़ी मौहम्मद सैफ़ी

[illegible]

है, तथा एक उड़ान में 12 मिनट तक निर्बाध छिड़काव कर सकता है। उन्हीं अंशतया निर्यात संचयित ट्रेन 73000000 में उपलब्ध है, जिसमें संचयन में कृषि राखिव्य अनुसार यादव द्वारा वनों के प्रमाणिकरण तथा रेगुलैटरी मैकेनिज्म का संदर्भित करने का सुझाव दिया होफिरर राजीव अग्रवाल ने बताया कि हम नियमित रूप से प्रवास

को ध्यान में रखते हुए लॉन्गवुड सिस्टम पर आधारित एंजिन को विकसित करने में लॉन्गवुड सिस्टम कोलाज का सम्पूर्ण प्रयोग गया है। लॉन्गवुड सिस्टम सेंटर में आज को जस्टस कक्ष है। उसके अनुसार हमारे कोलेज में उच्च और शिक्षक मिलकर काम करते हैं। लॉन्गवुड कोष के अध्यक्ष मोनोहर शरदनी ने कहा कि अभियन्ता तकनीक के लिए जिम्मेदार भी आवश्यक सुविधाएं हैं। हमारे सभी सुविधाओं को हमारे कोलेज में उपलब्ध करवाकर जस्टस के हिरासत को अभियन्ता कक्ष हो।

द्वितीय प्रमुख प्रोफेसर मनीष शरदनी ने साथ-साथ में ग्रेटर नोडाल और क्लबों के साथ जमीनी स्तर पर कार्यएं करेंगे।

कर रहे हैं कि कृषि उपयोगी ड्रोन की कीमत कम की जा सकती है और ज्यादा से किसानों को जो तकनीकी शिक्षा से यचित है सखल तरीके से ड्रोन के उपयोग के बारे में बजा सके। प्रोफेसर राजीव आर्याल ने बताया आज के जरूरतों के अनुसार तकनीकी द्वारा किसानों की आय बढ़ाना संभव है। हमने इस

अपने इंजीनियरिंग कालिज में उपलब्ध कक्षाएँ ताकि आज के ज़रूरत के हिसाब से अधिनियम तकनीक का विकास हो।

लॉर्डज स्किल सेंटर प्रमुख प्रोफेसर मनीष शरस्वत ने बताया कि अपने पहले समय में ग्रेटर नोएडा और पश्चिमी घुँघी के किसानों के साथ जमीनी स्तर पर ग्राम का उपयोग आरंभ करेंगे।

नोएडा/एनसीआर दैनिक भास्कर

3



यूपी सरकार द्वारा किसानों की आय वृद्धि के लिए लखनऊ में आयोजित कार्यशाला में लॉयड कॉलेज ने कृषि उपयोगी ड्रोन का किया प्रदर्शन

● किसानों की फसल पर रसायनिक छिड़काव करने के लिए विशेष तकनीकी का ड्रोन किया तैयार : प्रोफेसर राजीव अग्रवाल



ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि अनुसंधान परिषद के द्वारा दिनांक 16 नवंबर 2022 को किसानों की आय में अतिरिद्ध हेतु अभिनव प्रौद्योगिकियों का चयन एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। [आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से अभिनव तकनीक के बारे में बात किया गया जिसमें देश के कलियन राज्यो के स्टार्ट अप्स और प्रतिष्ठित कॉलेज के लोग शामिल हुए। ग्रेटर नोएडा के लॉस स्ट्रेटिड्यू एंड डेजीनोयर्स एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रोफेसर राजीव अग्रवाल के नेतृत्व में लॉस कॉलेज के द्वारा कृषि उपयोगी ड्रेन का प्रदर्शन किया गया। [प्रोफेसर राजीव अग्रवाल और प्रोफेसर मनीष सारंग

ने संस्थान द्वारा विकसित कृषि उपयोगों को प्रदर्शन किया तथा अवकाश करवा कि संबंधित 10-12 सीटों पर स्थान सौल्युशन को लेकर छिटकवा करने में सक्षम है, तथा एक उड़ान में 12 निमत एक निर्बाध छिटकवा कर सकता है।

उन्होंने बताया कि संबंधित डी. 300000 (तीन लाख) में उपस्थित है, जिस संदर्भ में कृषि संचय अतुरावादा द्वारा मशीन के प्रमाणिकरण से रेलुटेड है। मैकेनिकल को संदर्भित करके का सुझाव दिया।

प्रोफेसर राजीव अग्रवाल ने बताया कि हम निर्माण उपयोग से प्रयास कर रहे हैं कि कृषि उपयोगों को कोमो

कैसे कम की जा सकती है और ज्यादा से ज्यादा किसानों को ही तकनीकी शिक्षा से संतुष्ट हैं उन्हें सरल तरीके से ज्ञान के उपयोग के बारे में बताया जा सके।

प्रोफेसर राजीव अग्रवाल ने बताया कि आज के जबरनती के अनुसार तकनीकों द्वारा ही किसानों की आय बढ़ाना संभव है। हमने इस बात की ध्यान में रखते हुए लाईव स्काट्टड्यूट ऑफ डीजिनाइजिंग एंड टेक्नोलॉजी में लाईव स्काट्ट सेक्टर का थापना किया गया है लाईव स्काट्ट सेक्टर में आज की जरूरत क्या है उसके अनुसार हम कर रहे हैं छत्र और शिक्षक मिलकर काम करते हैं।

ग्रोट
ट्रस
वन
कश
दिव
निव
लिन
पुत्र
कश
औ
कि
से
रावे
कुल
लत

f

आँ



किसानों के लिए आयोजित कार्यशाला में लॉयड ने कृषि उपयोगी ड्रोन का किया प्रदर्शन .

किसानों के लिए आयोजित कार्यशाला में लॉयड ने कृषि उपयोगी डूइन का किया प्रदर्शन। किसानों की साथ में वृद्धि के लिए आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में लॉयड कॉलेज ने कृषि उपयोगी डूइन का प्रदर्शन किया, लॉयड कॉलेज के निदेशक ने बताया कि आज के ज़रूरतों के अनुसार तकनीकी मदद से ही किसानों की आय बढ़ाना संभव है। हम जल्द ही ग्रेटर नोएडा और पश्चिमी यूपी के किसानों के साथ ज़मीनी स्तर पर डूइन का उपयोग आरंभ करेंगे।

नई दिल्ली / मेरठ प्रेषण : उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि अनुसंधान परिषद के द्वारा कांथांशला संपन्न किया गया। आयोजित कांथांशला में मुख्य रूप से अभिनव तकनीक के नौपद्ध के तौरपद्ध इस्तीयुद्ध ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रोफेसर डॉर अग्रवाल और प्रोफेसर मनीष सरस्वत ने संस्थान द्वारा किसकित कृषि उपयोगी डूउन का संपन्न है, तथा एक उडान में 12 मिनट तक निर्बाध डिडुकावर कर सकता है। उडोने बताया तथा रेगुलेटरी मैकेनिज्म को संदर्भित करने का सुझाव डिया।

प्रोफेसर राजीव अग्रवाल ने बताया कि हम नियमित रूप से प्रयास कर रहे हैं कि कृषि उपयोगी सरल तरीके से डूउन के उपयोग के बारे में बताया जा सके।



16 नवंबर 2022 को 'किसानों की आय में अभिवृद्धि हेतु अभिनव प्रौद्योगिकियों' विषयक एक दिवसीय रतन किया गया जिसमें देश के विभिन्न राज्यों के स्टार्ट-अप और प्रतिष्ठित कॉलेज के लोग शामिल हुए। प्रेडर किसान के नेतृत्व में सीएनएल के आर.कृष्ण कृष्ण प्रभोमीनी डोजन का प्रदर्शन किया गया। मोहसिन की राईली गया तथा अर्चना काका के संवर्धित डोजन 10 स्टार्ट-अप रमयान सॉल्यूशंस को लेकर डिजिटल मार्केटिंग करने में सत डोजन ₹3000000 में उपलब्ध है, जिस संदर्भ में कृषि सचिव श्री अनुराग यादव द्वारा मशीन के प्रमाणीकरण की कीमत के से कम की जा सकती है और ज्यादा से ज्यादा किसानों को जो तकनीकी शिक्षा से वंचित हैं उन्हें



यूपी सरकार द्वारा किसानों की आय वृद्धि के लिए आयोजित कार्यशाला में लॉयड ने कृषि उपयोगी डोन का प्रदर्शन किया

मेरठ नौछा-उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि अनुसंधान परिषद के द्वारा दिनांक 16 नवंबर 1971 ई. को अतिथि रूप से अतिथि प्रौद्योगिकियों- विषयक एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न किया तथा उस से अतिथि-तत्कनीक के बारे में बात किया गया। यहां जिसमें देश के विभिन्न राज्यों के टाट-एअर उद्गार, मेरठ नौछा के लाइफ इस्कीप्ट और इंडोनायिया पड़-टेनलासी के निदेशक प्रोफेसर एडवर्ड के. ए. द्वारा कृषि उपयोगी चीन का पदार्थन किया गया। प्रोफेसर डॉ. राजीव अग्रवाल ने इस कार्यशाला की प्रतिक्रिया में कहा कि प्रदर्शनी-किया तत्कनीक के संश्लेषण को लेकर डिजाइन करने में सक्षम है, तथा एक उद्गार में 12 अलग-तक निष्ठा बताया कि संबंधित तत्कनीक ३30000 में उपलब्ध है, जिस संदर्भ में कृषि संचित श्री अनुराग तया रेगुलरी मैकेनिज्म को संदर्भित करने का सुझाव दिया।

प्रोफेसर डॉ. राजीव अग्रवाल ने इस कार्यशाला के अंत में कहा कि कृषि उपयोगी तत्कनीक सक्ती है और ज्यादा से ज्यादा किसानों को तत्कनीकी शिक्षा से वंचित है-उसी सरल त-बताया जा सके।

प्रोफेसर राजीव अग्रवाल ने बताया कि आज के जरूरतों के अनुसार तकनीकी द्वारा ही टेक्नोलॉजी में लॉयड स्किल सेंटर का स्थापना किया गया है। लॉयड स्किल सेंटर में आज क मनोहर थरहारी ने कहा कि अभिनव तकनीक के लिए जितने भी आवश्यक सुविधाएं हैं। हम तकनीक का विकास हो।

लेडिज स्किल सेंटर प्रमुख प्रोफेसर मनीष सारस्वत ने बताया कि आने वाले समय में ग्रैंटर नो



हमने इस बात को ध्यान में रखते हुए लॉयड इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट कॉलेज में छात्र और शिक्षक मिलकर काम करते हैं। लॉयड ग्रुप के अध्यक्ष रिग कॉलेज में उपलब्ध करवाएंगे ताकि आज के जरूरत के हिसाब से अभिनव साथ जमीनी स्तर पर ड्रोन का उपयोग आरंभ करेंगे।



यूपी सरकार द्वारा किसानों की आय वृद्धि के लिए आयोजित कार्यशाला में लॉयड ने कृषि उपयोगी डोन का प्रदर्शन किया

विजन लाइव/ ग्रेटर नोएडा

उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि अनुसंधान परिषद के द्वारा "किसानों की आय में अभिवृद्धि हेतु अभिनव प्रौद्योगिकियों" विषयक एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न किया गया। आयोजित कार्यशाला में मुख्य रूप से अभिनव तकनीक के बारे में बात किया गया जिसमें देश के विभिन्न राज्यों के स्टार्टअप और प्रतिष्ठित कॉलेज के लोग शामिल हुए। प्रेरित नोएडा के लॉयड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रोफेसर डॉ राजीव अग्रवाल के नेतृत्व में लॉयड कॉलेज के द्वारा कृषि उपयोगी डीन का प्रदर्शन किया गया। प्रोफेसर डॉ राजीव अग्रवाल और प्रोफेसर मनीष आरस्त ने संस्थान द्वारा विकसित कृषि उपयोगी डीन का प्रदर्शन किया तथा अवगत कराया कि संबंधित डीन 10 लीटर कृषि रसायन सॉल्यूशन को लैकर डिडका करने में सक्षम है, तथा एक उडान में 12 मिन्ट तक निर्बाध डिडका कर सकता है। उन्होंने बताया कि संबंधित डीन ₹300000 में उपलब्ध है, जिस संदर्भ में कृषि सचिव श्री अरुणा यादव द्वारा मशीन के प्रमाणीकरण तथा गुलेटरी मैकेनिज्म को संदर्भित करने का सुझाव दिया।

प्रोफेसर राजीव अग्रवाल ने बताया कि हम नियमित रूप से प्रयास कर रहे हैं कि कृषि उपयोगी ड्रोन की कीमत कैसे कम की जा सकती है और ज्यादा से ज्यादा किसानों को जो तकनीकी शिक्षा से वंचित है उन्हें सरल तरीके से ड्रोन के उपयोग के बारे में बताया जा सके। प्रोफेसर राजीव अग्रवाल ने बताया कि आज के ज़रूरतों के अनुसार तकनीकी द्वारा ही किसानों की आय बढ़ाना संभव है। हमने इस बात को ध्यान में रखते हुए लॉयड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में लॉयड स्किल सेंटर का स्थापना किया गया है। लॉयड स्किल सेंटर में आज की ज़रूरत क्या है उसके अनुसार हमारे कॉलेज में छात्र और शिक्षक मिलकर काम करते हैं। लॉयड ग्रुप के अध्यक्ष मनोहर थरानी ने कहा कि अभिनव तकनीक के लिए जितना भी आवश्यक सुविधाएं हैं। हम सभी सुविधाओं को अपने इंजीनियरिंग कॉलेज में उपलब्ध करवाएंगे ताकि आज के ज़रूरत के हिसाब से अभिनव तकनीक का विकास हो। लॉयड स्किल सेंटर प्रमुख प्रोफेसर मनीषा सारस्वत ने बताया कि आने वाले समय में ग्रैटर नोएडा और पश्चिमी पूरु के किसानों के साथ जमीनी स्तर पर ड्रोन का उपयोग आरंभ करेंगे।

